Catch-Up Course

सेतु सामग्री

कक्षा– 9 , 10 विषय– मैथिली

सहयोग– बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, बिहार
अकादमिक सहयोग– यूनिसेफ, बिहार

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार, पटना द्वारा विकसित

शिक्षकसँ निवेदन

महोदय,

सेतु सामग्रीक निर्माण कोरोना महामारीकेँ ध्यानमे राखि अग्रिम कक्षामे प्रोन्नत छात्रक लेल कयल गेल अछि। एहिमे पिछुलका कक्षाक जेना नवम्‌मे अष्टम वर्गक आ दशममे नवम्‌ वर्गक किछु सामग्री राखल गेल अछि जकरा तीन मासमे पढ़ाओल जायत। पुनः प्रोन्नत कक्षाक विषय पढ़ेबाक योजना अछि।

नवमीसँ दशमी कक्षामे जायवला छात्रक हेतु जे सेतु सामग्री तैयार कयल गेल अछि से प्रारंभिक तीन मासमे पढ़ाओल जायत। ई सामग्री नवम्‌ कक्षाक 'दुर्वाक्षत भाग–1'सँ लेल गेल अछि। ई मात्र उदाहरणस्वरूप प्रस्तुत कयल गेल अछि। अपने प्रबुद्ध आओर अनुभवी शिक्षक छी। देल गेल उदाहरणसँ आगू सेहो पढ़ा सकैत छी ताकि दशम वर्गक छात्र नवम्‌ वर्गक विषय–वस्तुक ज्ञानसँ वंचित नहि रहि जाथि। ज्ञातव्य जे 'दुर्वाक्षत भाग–1' मातृभाषाक छात्र लोकनि हेतु प्रस्तुत अछि। ऐच्छिक विषयक रूपमे प्रचलित पुस्तक अछि–प्रवेशिका गद्य–पद्य संग्रह भाग–1 जकर उदाहरण सेतु सामग्रीमे सेहो देल गेल अछि।

नवम्‌ वर्गमे प्रोन्नत छात्रकेँ प्रथम तीन मासमे अष्टम्‌ कक्षाक पुस्तक कचनार, भाग तीन पढ़ैबाक योजना अछि मुदा दुर्भाग्यवश पुस्तक छपि नहि सकल। ई पुस्तक नेट पर उपलब्ध अछि। तेँ मात्र किछु अंश उक्त सेतु सामग्रीमे उदाहरणस्वरूप दर्शाओल गेल अछि। शिक्षकसँ अनुरोध जे छात्र लोकनिकेँ उक्त वर्गमे पढ़ैबा योग्य व्याकरण आ रचना संबंधी ज्ञान दय देथि जाहिसँ हुनका लोकनिकेँ अगिला कक्षामे कोनो प्रकारक कष्ट नहि होइन। अस्तु।

नोट– उपर्युक्त सामग्रीमे साहित्यक विभिन्न विधाकेँ यथा– कथा, निबंध, जीवनी, एकांकी आदिक यथास्थिति समावेश कयल जयबाक प्रयास कयल गेल अछि।

निदेशक
(गिरिवर दयाल सिंह)
राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्
बिहार, पटना

शैक्षणिक सत्र 2021–2022क लेल तीन महीनाक सेतु सामग्री

वर्ग – IX (कक्षा VIIIक बालक जे सत्र 2021–22मे कक्षा IXमे पढ़ि रहल अछि। एहन छात्रक लेल 60 कार्य दिवसक सामग्री)

सेतु सामग्री

मैथिली – मातृभाषा– कचनार – भाग–3

कक्षा 9 विषय– मैथिली

सीखबाक प्रतिफल Learning Outcomes	अध्याय Chapters	अधिगम संकेतक Learning Indicators	सुझावात्मक प्रक्रिया Suggestive process	अवधि (दिनोमे) Duration(in Days)
• छात्र/छात्रा शिव गीतक गायन कयलनि। • पार्वतीक मनोदशाकेँ आपसमे चर्चा कयलनि। • सभ गोटे हुनक एहि मानवीय गुणक सराहना कयलनि आ अनुकरणीय बतौलनि। • सभ गोटे आपसी सहमतिसँ भाव लिखलनि। • शब्दकोषक सहायतासँ शब्दार्थक चयन कयलनि। • पाठमे आयल शब्द जेना– दिगम्बरक	**शिवगीत** (पद्य)	• छात्र/छात्रा द्वारा समूहमे गायन आ समूहमे चर्चा। • पार्वतीक मनोभावकेँ आपसमे चर्चा। • पार्वती सन नारीकेँ विकलता शोभा दैछ? विश्लेषण। • कठिन शब्दक चयन आ शब्दकोषक अवलोकन। • एहन आनो गीतक चयन आ संग्रह। • कविक प्रतिभा आ भक्ति पर	• पद्यकेँ छात्र/छात्रा द्वारा पाठक अवसर प्रदान कराउ। • पार्वतीक एहि तरहक व्याकुलता की दर्शबैत अछि, आपसमे चर्चा कराउ। • पार्वतीक ई मानवीय गुण कहाँ धरि नीक लगैछ एहि पर चर्चा कराउ। • शिवगीत कविताक भाव लिखबाउ। व्याकरण– कठिन शब्दक चयन जेना– विकल, पुरंदर आदि।	3 दिन

सीखबाक प्रतिफल Learning Outcomes	अध्याय Chapters	अधिगम संकेतक Learning Indicators	सुझावात्मक प्रक्रिया Suggestive process	अवधि (दिनोमे) Duration(in Days)
• पर्यायवाची शब्द– शिव, त्रिभुवननाथ आदिक चयन कयलनि। • आजु नाथ एक ब्रत ... नचारी छात्र/छात्रा मिलि सस्वर गयलनि। • पार्वतीक व्याकुलताकैं आजुक संदर्भमे विश्लेषण आ चिंतन कयलनि। • विद्यापतिक भक्ति देखि शिव उगनाक रुप धारण कयलनि जकर विशद् चर्चा कयलनि आ भक्तिक उत्कृष्टताक विश्लेषण कयलनि। • नचारी आ महेशवानीक अन्तर बुझलनि।		• चर्चा आ दृष्टिपात। • व्याकरणक प्रयोग। • नचारीक गायन। • पार्वतीक व्याकुलताक विश्लेषण। • नचारी आ महेशवानीक अन्तर पर चिंतन, मनन।	• विद्यापति आ उगनाक कथाक छात्रक बीचमे चर्चा कराउ। • व्याकरण– पाठमे आयल पर्यायवाची शब्द जेना दिगम्बर, शिव आदिक चयन कराउ। • शिव–पार्वतीसँ संबंधित नचारी लिखबाउ आ सस्वर गायन कराउ। • पार्वतीक व्याकुलता आजुक संचार सुविधाक संदर्भमे चर्चा कराउ। • नचारी आ महेशवानीक अन्तर बुझाउ।	
• छात्र/छात्रा बेरा–बेरी उत्सुकतापूर्वक पढ़लनि। • दोसर समूहक छात्र ध्यानपूर्वक सुनलनि। • अयाची मिश्रक नामक सार्थकता बुझलनि। • हुनक संतोषपूर्ण व्यवहार ओ आचरणक संबंधमे विशद चर्चा कयलनि। • शब्दकोषसँ सम्पर्क कय कठिन शब्द– ठेठ मैथिली शब्द जेना– चीकस–आटा, सोहारी–पातर आ छोट–छोट रोटी आदिक अर्थ	**अयाची मिश्र एकांकी**	• पाठकैं सहज भावसँ छात्र/छात्रा द्वारा बेरा–बेरी पठन। • सहज भावें श्रवण। • अयाची मिश्रक संबंधमे उत्सुकताक निवारण। • प्रश्न पुछबाक अवसर। • व्याकरण– ठेठ मैथिली शब्दक चयन, शब्दकोषक माध्यमे अर्थक निराकरण। • एक घैल रत्न भेटलापर पंडिताइनक मोनमे उठल मनोदशाक विश्लेषण।	• छात्र/छात्राकैं अयाची मिश्रक संबंधमे बताउ। • छात्र/छात्राकैं आपसमे बातचीत करबाक अवसर प्रदान कराउ। • अयाची मिश्रक एकांकीमे कोन पात्रक गुण सभसँ नीक लागल, ताहिपर विवेचना कराउ। • शंकरक चरित्र–चित्रण बच्चाक लेल कतेक लाभप्रद भ सकैछ तकर अवलोकन। व्याकरण– कठिन शब्द आ मैथिलीक मूल शब्दक चयन कराउ। जेना चीकस, सोहारी आदि।	7 दिन

सीखबाक प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनोमे)
Learning Outcomes	Chapters	Learning Indicators	Suggestive process	Duration(in Days)
बुझलनि। • छात्र/छात्रा पंडिताइनक मनोदशाक विश्लेषण आपसमे मिलि कऽ कयलनि। • सभ छात्र/छात्रा अपना ढंगसँ चरित्र–चित्रण प्रस्तुत कयलनि। • मरनीमायक गरीबी आ दानमे भेटल हारक प्रति सोचक विश्लेषण कयलनि। • दू पसेरी मडुआ आ हारक संबंधपर विचार कयलनि। • आपसमे समूह बना कऽ तीन एकांकीक चयन कयलनि।		• चरित्र–चित्रणपर मनन। • मरनीमायक मनोभावक चित्रण आ ओकर मानसिक स्थिति। • एहि तरहक एकांकीक चयन।	• पंडिताइनक मनोभावक विश्लेषण कराउ। • पाठमे वर्णित चरित्रमे किनकर चरित्र नीक लागल, चिंतन आ मनन कराउ। • मरनीमायकँ कीमती हारक प्रति सोचक विश्लेषण कराउ। • मरनीमायक दू पसेरी मडुआक अभिप्राय लिखबाउ। • एहि तरहक तीन एकांकीक चयन करबाउ। जेना–हथटुट्टा कुरसी आदि।	

Catch-Up Course

सेतु सामग्री

कक्षा– 10 विषय– मैथिली

सहयोग– बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, बिहार
अकादमिक सहयोग– यूनिसेफ, बिहार

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार, पटना द्वारा विकसित

शैक्षणिक सत्र 2021–2022क लेल तीन महीनाक सेतु सामग्री

वर्ग – X (कक्षा IXक छात्र जे सत्र 2021–22मे कक्षा Xमे पढ़ि रहल अछि। एहन छात्रक लेल 60 कार्य दिवसक सामग्री)

सेतु सामग्री

प्रवेशिका मैथिली गद्य–पद्य संग्रह (ऐच्छिक) भाग – 1

कक्षा 10 विषय– मैथिली

सीखबाक प्रतिफल Learning Outcomes	अध्याय Chapters	अधिगम संकेतक Learning Indicators	सुझावात्मक प्रक्रिया Suggestive process	अवधि (दिनोमे) Duration(in Days)
• छात्रलोकनि युवक सँ शीर्षक कविताक सस्वर पाठ कयलनि। • आपसमे एक–दोसराकँ पाठक संबंधमे विचार–विमर्श कयलासँ उत्साह, उमंगक महत्व बुझलनि। • युवक पाठसँ धर्म आ देशक सेवा बुझलनि। • युवक सदृश कविताक चयन कयलनि। • कठिन शब्दक वाक्यमे प्रयोग कयलनि। • शोणितक गर्मी आ सुकाजक अभिप्राय लिखलनि।	**1. युवकसँ (पद्य)**	• विश्वास आ श्रमक संबंधमे चर्चा। • युवकक धर्मक चर्चा आ विश्लेषण। • कठिन शब्दक चयन। • उत्साह आ उमंग पर शीर्षकक आधार पर चर्चा।	• शिक्षक श्यामपट्ट पर 'युवक सँ' शीर्षक लिखैत छथि। • एहि शीर्षकसँ उत्साहक औचित्य बुझौलनि। • उत्साही छात्र कोनो काज बिनु सम्पन्न कयने पाछू नहि हटि सकैछ। • विश्वास आ श्रमक दृढ़ता रहत तँ सफलता भेटि सकैछ • जाबत धरि शोणितमे गर्मी अछि ताबत धरि सुकाज कय सकैत अछिक अभिप्राय लिखबाउ। • युवक सन उत्साही पाठक चयन। • पाठमे सँ किछु शब्द ताकि ओकर प्रयोग करब जेना पैघ, श्रम, विश्वास, कर्त्तव्यनिष्ठ आ सफलता आदि।	3 दिन

सीखबाक प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनोमे)
Learning Outcomes	Chapters	Learning Indicators	Suggestive process	Duration(in Days)
• छात्र पाठक उच्चारणक संग वाचन कयलनि। • उक्त पाठक विषयमे चिंतन कयलनि। • गंगाक माहात्म्यक विषयमे मनन–चिंतन कयलनि। • गंगाक विनतीक कयलनि आ कयलासँ धार्मिक भावना जगैत अछि। • 'गंगाक विनती' शीर्षकक विश्लेषण कयलनि आ धर्मक अर्थ बुझलनि। • गंगाक तट पर बास कयलासँ फलक मनन–चिंतन कयलनि। • गंगाक विनतीसँ कठिन शब्दकेँ स्मरण कयलासँ बजबामे सुविधा भेल। • शब्दक अर्थ जानि सकल। • शब्द सभक पर्यायवाची शब्दक ज्ञान भेल। • पाठक विषय–वस्तुक पूर्ण ज्ञान प्राप्त कयलनि।	**2..गंगाक विनती (पद्य)**	• छात्र लोकनि पाठक उच्चारण आ वाचनक संबंधमे चर्चा। • उक्त पदक विशेषताक विश्लेषण। • गंगाक महत्वक चर्चा। • गंगाक तट पर बास कयलासँ की अनुभूति भेल ताहि पर चर्चा। • गंगाक तट पर बास, पाँकक लेप अथवा स्नानसँ की होयत, तकर विश्लेषण। • पाठमे प्रयुक्त कठिन शब्दक चयन। • किछु एहन शब्दक चयन कय विपरीतार्थक शब्द ताकब। • छात्र पाठक विषय–वस्तु सुनत, मनन–चिंतन करत तँ उत्सुकता जागत।	• गंगाक विनती शीर्षक कविताकेँ श्यामपट्ट पर लिख सस्वर पाठ कय सकैत छथि। • गंगाक तट पर बास कयलासँ स्वर्गक सुख भेटि सकैछ। • गंगाक शीतल पाँकसँ पापक नाश होइछ। • कतबो काल स्नान कयलासँ स्नान करबाक अभिलाषा शांत नहि होइछ। तँ तकर अनुभूति कय सकैत छी। • संसारसँ मुक्ति लेल गंगाक शरणमे जायब। • कठिन शब्दक चयन कय ओकर अर्थ लिख सकैछ। जेना– पावन, परिहरि, थीर, निवास, मति, विमल, अतुल आदि। • गंगाक पावन तट छोड़लाक की अनुभव होइछ ओ छात्रकेँ कहल जा सकैत अछि। • पाठमे सँ किछु शब्द चुनि यथा– गंगा, घर, जल आ आगि शब्दक परिचय कराओल जा सकैछ। • एहि पाठसँ किछु शब्द चुनि कय तकर विपरीतार्थक शब्द प्रेषित कयल जा सकैछ।	4 दिन

सीखबाक प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनोमे)
Learning Outcomes	Chapters	Learning Indicators	Suggestive process	Duration(in Days)
• छात्र लोकनि पाठक वाचन कयलनि। • छात्र लोकनि राजा हरिश्चंद्रक संबंधमे चर्चा कयलनि। • पाठमे देल पचास प्रतिशत प्रश्नक उत्तरक संबंधमे चर्चा कयलनि। • पाठमे देल गेल शब्दकँ स्मरण कयलनि। व्यक्तिवाचक संज्ञा शब्दक बोध होयत तँ व्यक्तिक विशेषता जानबाक उत्सुकता होयत। • शब्दक अर्थ याद कय सुनौलनि। • शब्दक अर्थ लिख सकलनि।	**3.राजकुमार रोहिताश्व कथा (गद्य)**	• छात्रसँ पाठक कथानक सुनबा क्रममे कोन–कोन दोष भेल तकर विश्लेषण। • प्रश्न पूछब आ पूछल शब्दक उत्तर देब। • व्यक्तिवाचक शब्दक चयन। • व्यक्ति विशेषक चयन, व्यक्तिक वैशिष्ट्यक जानकारी प्राप्त करब। • पाठमे देल प्रश्नक उत्तर बनायब। • प्रश्नमे देल वस्तुनिष्ठ प्रश्नक उत्तर देब। • शब्दक अर्थ श्यामपट्ट पर छात्र देखत। • शब्दक विषयमे ओकर उत्सुकता होयत।	• शिक्षक राकुमार रोहिताश्व शीर्षकक कथानक संक्षेपमे बुझाबथि। एहि क्रममे कोनो–कोनो विशिष्ठ बातक सत्यापन पढ़ि कय करथि। छात्र कोनो पाठक विषय वस्तु जानथि तकरा हेतु प्रेरित करथि। • राजा हरिश्चंद्रक दानशीलता आ कर्त्तव्यपरायणताक हेतु सोदाहरण कथा कहथि आ एहने कथा ताकबाक हेतु प्रेरित। • पाठमे देल प्रश्नक उत्तर छात्रकँ लिखबाक हेतु कहब। एहि पाठसँ व्यक्तिवाचक शब्दक चयन करबाबथि। • शब्दार्थ, अभ्यास एवं योग्यता–विस्तार आदि पर काज करायब। • कठिन शब्दक अर्थ शिक्षक श्यामपट्ट पर लिख देथि। शिक्षक छात्रसँ दोसर दिन उक्त शब्दक अर्थ पुछि लेथि।	4 दिन

सीखबाक प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनोमे)
Learning Outcomes	Chapters	Learning Indicators	Suggestive process	Duration(in Days)
• छात्र पढ़लक। छात्र अपनामे विश्व शांतिक विषयमे चर्चा कयलनि। • संसार जे विनाशक दिस अग्रसर देखि विश्व शांतिक आवश्यकताकेँ महसूस कयलनि। • छात्र महात्मा गाँधीक दर्शन दिस आकृष्ट भेलनि। • विश्वमे शांति कोना रहत ओहि विचारकेँ छात्र अपना मध्य विमर्श कयलनि • भारतकेँ अहिंसाक पुजारी बुझलक। • पाठकेँ अनेक खेप पढ़ि कय निबंधमे प्रयोग अमेरिका, शिकागो आदि देशक परिचय प्राप्त कयलनि।	**4.विश्व शांति (गद्य) निबंध**	• विश्व शांतिमे गाँधी जीक योगदानक चर्चा। • छात्रकेँ अहिंसा पर बाजबाक अवसर, गाँधी जीक विषयमे लिखबाक प्रेरणा। • पंचशीलक चर्चा, विवेकानंदक जीवनीक चर्चा। • आपसमे प्रश्न पुछबाक ओ उत्तर देबाक अवसर।	• विश्व शांतिक वाचन छात्रसँ कराओल गेल। जकरा उच्चारण करबामे कठिनाई होयत ओकरा फेर पढ़बाक अवसर देल जायत। • एहि पाठमे जतेक कठिन शब्द अछि ओकर अर्थ छात्र पुस्तकालयमे शब्दकोष देखि ताकत आ लिखत। • विश्व शांतिमे सँ शांतिक प्रतीक शब्दकेँ श्यामपट्ट पर लिखबाउ। ओहि शब्दक विश्लेषण शिक्षक करताह। तत्पश्चात छात्र लोकनि मनन–चिंतन कय शब्दक महत्वकेँ बुझाउ। • विश्व शांतिक विषयमे कोन छात्रकेँ की बुझायल ओ लिखत। एहिसँ लिखबाक कौशल बढ़त।	4 दिन

सीखबाक प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनोमे)
Learning Outcomes	Chapters	Learning Indicators	Suggestive process	Duration(in Days)
• छात्र लोकनि लाल दासक जीवनी पर विचार–विमर्श कयलनि। • एहि क्रममे रमेश्वर चरित रामायण आ अन्यान्य रचनाक विषय मे छात्रक जिज्ञासाक वार्तालापक ढ़ंग सँ बुझलनि। • पुरूषोत्तम रामक आदर्श चरित्रक मानवीय जीवन पर प्रभावक चर्चा कयलनि संगहि अनुकरणीय मानलनि। • भरत त्यागक प्रतिमूर्ति छलाह। हुनक भ्रातृत्व स्नेह प्रशंसनीय आ अनुकरणीय थिक, सभ गोटे सहमत भेलनि। • तत्सम शब्दक चयन कयलनि। • श्यामपट्ट पर लिखल मिथिलाक्षरकेँ छात्र देवनागरी लिपिमे लिखलनि। • पाठमे देल किछु प्रश्नक उत्तर तैयार कयलनि।	**5.मिथिला विभूति लाल दास (गद्य) – जीवनी**	• हाव–भावक द्वारा गद्यक किछु अंशक वाचन करब। एक–दोसराक मध्य वार्तालापक माध्यमसँ बुझब। पुनः मनन–चिंतन कए विश्लेषण करत। • कठिन शब्दक चयन। • पुरूषोत्तम रामक आदर्श, त्याग ओ भ्रातृत्व स्नेह पर चर्चा।	• छात्र लोकनिकेँ आपसमे रामायणक सार वस्तुक विषयमे विचार करबाउ। • शिक्षक कोनो दोसरो रामायणक चर्चा करब आवश्यक। • शिक्षक देशज शब्दक चयन कय छात्रसँ ओकर व्यवहार करबाओल जा सकैछ। • लाल दासक रचनासँ परिचय कराओल जा सकैछ। • प्रो. राधाकृष्ण चौधरीक संबंधमे चर्चा कराउ। • पुरूषोत्तम रामक आदर्श चरित्रक मानवीय जीनव पर प्रभावक चर्चा कराउ। • भारतक त्याग आ भ्रातृत्व स्नेहक चर्चा।	5 दिन

Catch-Up Course

सेतु सामग्री

कक्षा– 10 विषय– मैथिली

सहयोग– बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, बिहार

अकादमिक सहयोग– यूनिसेफ, बिहार

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार, पटना द्वारा विकसित

शैक्षणिक सत्र 2021–2022क लेल तीन महीनाक सेतु सामग्री

वर्ग – X (कक्षा IX क छात्र जे सत्र 2021–22मे कक्षा Xमे पढ़ि रहल अछि। एहन छात्रक लेल 60 कार्य दिवसक सामग्री)

सेतु सामग्री

कक्षा – 10 दुर्वाक्षत भाग– 1 विषय– मैथिली मातृभाषा

सीखबाक प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनोमे)
Learning Outcomes	Chapters	Learning Indicators	Suggestive process	Duration (in Days)
• छात्रलोकनि पाठक उच्चारणक संग वाचन कयलनि। • छात्रलोकनि लिपिक संरक्षणक संबंधमे चर्चा कयलनि। • मातृभाषा आ ओकर लिपिक विशेषताक संबंधमे आपसमे विचार–विमर्श कयलनि। • मैथिली आ हिंदीक अन्तर पर चर्चा कयलनि। • ब्राह्मी आ खरोष्ठीक प्राचीनता पर चर्चा कयलनि। • मैथिली लिपि आ भाषाक महत्व बुझलनि।	**1.मैथिली लिपिक संरक्षण (निबंध)**	• छात्रलोकनि, पाठक उच्चारणक संग वाचन। • आपसमे लिपिक संरक्षणक संबंधमे चर्चा। • एकर विशेषताक संबंधमे विचार–विमर्श। • मातृभाषा ओ हिंदीमे अन्तरक संबंधमे चर्चा। • ब्राह्मी आ खरोष्ठीक प्राचीनता पर चर्चा • मैथिली लिपि आ भाषाक महत्व	• शिक्षक मैथिली लिपिक संरक्षण शीर्षककेँ श्यामपट्ट पर लिखथि। • लिपिक संरक्षण किएक आवश्यक भऽ सकैछ, बताउ। • एकर प्राचीनता कोना बताओल जा सकैछ, बुझाउ। • पाठक विशेषता की भऽ सकैछ? • ब्राह्मी आ खरोष्ठीक प्राचीनता देखाओल जा सकैछ? • मातृभाषा मैथिली आ हिंदी परस्पर विरोधी नहि अपितु पूरक थिक, बुझाउ। • मैथिली लिपि आ भाषाक महत्व बुझाउ।	2 दिन

सीखबाक प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनोमे)
Learning Outcomes	Chapters	Learning Indicators	Suggestive process	Duration (in Days)
• ई लिपि एगारहम शतकमे अपन आजुक स्वरूप प्राप्त कयलक। एहन आन शब्दक चयन आ वाक्यमे प्रयोग कयलनि।	**1.मैथिली लिपिक संरक्षण (निबंध)**	व्याकरण तत्सम शब्दक चयन	• पाठमे तत्सम शब्द ताकि ओकर अर्थ लिखि सकथि। जेना– शतक,सर्वांगीन आदि।	2 दिन
• छात्रलोकनि मधुरमनि कथा पढ़ैत आ सहज भावें सुनैत छथि। • मोचनक विकलांगताक चर्चा करैत छथि। • मोचनक हीन भाव आ मनोदशाक विश्लेषण करैत छथि। • मधुरमनिक गरीबीक संग स्त्रीत्व भाव आ स्वाभिमानक विशलेषण आपसमे कयलनि। • मधुरमनिक स्वामीभक्ति ओ कर्त्तव्यनिष्ठाकचर्चा करैत छथि। • परिवेशक दीन–हीन परिवारक चयन आ पति–पत्निक आपसी प्रेम संबंधमे चर्चा आ तुलनात्मक विवेचन कयलनि। • मधुरमनिक चरित्र–चित्रण पर आपसी सहमति बनौलनि। • व्याकरण– नीक–अधलाह, धनिक–गरीब आदि शब्दक चयन कयलनि।	**2.मधुरमनि कथा (गद्य)**	• छात्रकँ ध्यानपूर्वक सुनब आ सहज भाव प्रदर्शित। • पाठ पर आपसमे चर्चा। • मोचन–विकलांगक मनोदशाक चर्चा आ विश्लेषण। • मधुरमनिक गरीबीक संग स्त्रीत्व भावक चर्चा। • स्वामीभक्ति, कर्त्तव्यनिष्ठाक प्रतिरूपक विश्लेषण। • मोचन पर एक अनुच्छेद।	• छात्रलोकनिकँ मधुरमनि कथा पढ़बाक अवसर देल जा सकैछ। • पाठ पर विशेष चर्चा करबाउ। • मधुरमनि आ मोचनक आपसी मनमुटावक चर्चा कराउ। • मोचन (विकलांग छल)क मानसिक मनोदशाक वर्णन आ तकर विवेचन कराउ। • परिवेशक दीन–हीन परिवारक आपसी संबंध पर विश्लेषण कराउ। • विकलांगक सामान्य मनोदशाक चर्चा करबाउ। • प्रश्नक निर्माण करबाक अवसर। • मधुरमनिक कोन गुण अहाँकँ नीक लागल, तकर चर्चा करू। • मधरमनिक चरित्रक विश्लेषण। • मधुरमनि कथा सन आन दोसर कथाक चयन वा ओहन कथाक निर्माण। • मधुरमनिक स्त्रीत्व भाव आ स्वामी भक्ति	3 दिन

सीखबाक प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनोमे)
Learning Outcomes	Chapters	Learning Indicators	Suggestive process	Duration (in Days)
			पर विशेष चर्चा। व्याकरण • विपरीतार्थक शब्दक चयन जेना – नीक–अधलाह, उँच–नीच आदि शब्दक चयन।	
• छात्र प्रवासी शब्दक अर्थ बुझलनि। • छात्र समूहमे पाठक वाचन कयलनि। सिखबाक प्रतिफल • साहित्यक विभिन्न पत्र–पत्रिका जेना मैथिल–हित साधन, मिथिलामोद आदिक संबंधमे जानकारी प्राप्त कयलनि। • पत्र–पत्रिकामे वर्णित मिथिला विभूतिक सूची बनौलनि। • पत्र–पत्रिकाक अतिरिक्त ज्ञात मिथिला विभूतिक सूची सेहो बनौलनि। • सभागाछी आब संदर्भहीन भेल जा रहल अछि, विशेष चर्चा कयलनि। • पत्र–पत्रिकाक नामक सूची वर्षक अनुरूप बनौलनि। • पत्र–पत्रिकामे वर्णित स्वतंत्रता सेनानीक सूची बनौलनि। • मुहावराक चयन कय वाक्यमे प्रयोग	**3.प्रवासी मैथिल समाज संस्मरणात्मक (निबंध)**	• छात्र समझि बुझि कऽ पाठक पाठन। • पत्र–पत्रिकाक महत्व आ ओकर चर्चा। • पत्रिकाक नाम आ बाहरसँ बहराय बाला पत्र–पत्रिकाक सूची आ ओकर महत्व। • पाठमे वर्णित मिथिला विभूति आ हुनक योगदानक चर्चा। • स्वतंत्रता सेनानी आ साहित्य सेवीक चर्चा। • मिथिलासँ बाहर निकलल पत्रिकाक महत्व।	• शिक्षक प्रवासी शब्द श्यामपट्ट पर लिखि अर्थ बुझा सकैत छथि। • उच्चारण कय निबंध पढ़ल जा सकैछ। • पाठमे वर्णित विभिन्न पत्र–पत्रिकाक संबंधमे चर्चा, जेना – मैथिली हित साधन, मिथिला मोद आदि। • विभिन्न साहित्य सेवी, स्वतंत्रता सेनानीक आ मिथिला विभूतिक चर्चा। • सभागाछीक तत्कालीन महत्वक चर्चा कयल जा सकैछ। • मैथिलीक विकासमे पत्र–पत्रिकाक महत्व पर विचार–विमर्श। • पाठमे वर्णित पत्रिकाक नामक सूची वर्षक अनुरूप बनाउ। • पाठमे वर्णित मिथिला विभूतिक सूची आ हुनक योगदान (मैथिली साहित्यक विकासमे)क उल्लेख • पाठक अतिरिक्त मिथिला विभूतिक सूची।	4 दिन

सीखबाक प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनोमे)
Learning Outcomes	Chapters	Learning Indicators	Suggestive process	Duration (in Days)
• करब सिखलनि। • कठिन शब्दक अर्थ जेना उन्मुख–उपर मुँह कयने, उत्सुक आदि शब्दक अर्थ सिखलनि। संज्ञा– जयपुर, गुजरात आदिसँ जयपुरिया, गुजराती आदि विशेषण बनौनाइ सिखलनि।			• व्याकरण– पाठसँ मुहावराक चयन जेना– बाड़ीक पटुआ तीत, दूरक ढोल सोहाओन आदिक चयन आ तदनुरूप वाक्य–निर्माण कराउ। • कठिन शब्दक चयन आ ओकर अर्थ – जेना– उन्मुख, अनुप्राणित आदिक चयन। संज्ञा चूनि विशेषणक निर्माण कराउ। जेना– जयपुर, गुजरात आदि।	
• छात्र–छात्राक संग कविताक गायन कयलनि। • पारिवारिक जीवन (महादेव आ पार्वतीक)क चर्चा कयलनि। • महादेव आ पार्वतीक पारिवारिक जीवन अनुकरणीय लगैत अछि। • महादेवक चारि सोचकँ क्रमबद्ध लिखलनि आ ओहि सोचक अन्तर्भावक विमर्श कयलनि। • एहि सोचकँ लिखित आ मौखिक दुनू तरहेँ प्रदर्शित कयलनि। • महादेव आ पार्वतीक चरित्रक चर्चा कयलनि। • पार्वतीक आ महादेवक पारिवारिक जीवनक विश्लेषण करैत छथि।	**4. नटराज (कविता)**	• हाव–भाव प्रदर्शित कय कविताक गायन करब • समझैत–बुझैत कविताक गायन • शीर्षक आ पात्र आदिक विषयमे चर्चा • दुनूक आपसी संबंधक चर्चा • आपसमे विचार–विमर्श • महादेव–पार्वतीक आपसी संबंध जनमानसक हेतु प्रभावी , विश्लेषण संगहि चिन्तन व्याकरण • कठिन शब्दक चयन।	• छात्र/छात्राक संग सामूहिक गायन कराओल जा सकैत अछि। • महादेव–पार्वतीक पारिवारिक जीवनकँ मानवीय जीवनसँ जोड़ब। • 'नटराज' शीर्षकमे महादेवक सोचक क्रमबद्ध कय लिखबाउ। • महादेव–पार्वतीक पारिवारिक जीवनक विश्लेषण • पार्वतीक चरित्र–चित्रण • पाठसँ प्रश्नक हल करबाओल जा सकैत अछि। • विद्यापतिक कीर्तिक चर्चा आपसमे कराउ। • विद्यापतिक संबंध महादेवसँ (उगनासँ) कोन तरहक छलनि, चर्चा करबाउ। • महादेवक अलौकिक शक्तिक प्रदर्शनक चर्चा	3 दिन

सीखबाक प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनोमे)
Learning Outcomes	Chapters	Learning Indicators	Suggestive process	Duration (in Days)
• छात्र–छात्रा लोकनि प्राप्त विभिन्न श्रोतसँ विद्यापतिक कीर्तिकेँ संग्रह कयलनि। • शिक्षकसँ व्यक्तिगत सम्पक्र कय विद्यापति आ उगनाक खिस्साकेँ सुनलनि। • सभ तरहक सोचक निवारण करैत आ अपन अलौकिक शक्तिक प्रदर्शन कयलनि। नाच देखौलनि आ पार्वतीकेँ प्रसन्नता भेलनि।		• शब्दकोषक व्यवहार	कराउ। व्याकरणः– • कठिन शब्दक चयन, जेना– अमिय, बघम्बर आदि करबाउ।	
• छात्र/छात्रा लोकनि कचहरी कविताकेँ सस्वर गायन/वाचन कयलनि। • कविताक भावकेँ आधार पर आधुनिक समयक विषयमे अपन–अपन प्रतिक्रिया व्यक्त कयलनि। • आजुक संदर्भमे ओकरा समाजसँ जोड़ि कऽ देखलनि आ ओहि पर चिंतन कयलनि। • पाठक आधार पर प्रश्नक निर्माण कयलनि। • कठिन शब्दक चयन कयलनि आ शब्दकोषसँ ओकर अर्थक समझ	**5.कचहरी पद्य**	• छात्र/छात्रा सभ मिलि कय पद्यक वाचन/गायन सस्वर कयल। • पद्यकेँ समझि आपसमे चर्चा। • पाठमे देल गेल अभ्यासक प्रश्नक समझ। • वर्णित विषयकेँ आपसमे विचार। • कचहरी कविता पर आधुनिक परिदृश्यमे चिन्तन। • कठिन शब्द आ शब्दकोशक उपयोग। • कविक कीर्तिक संबंधमे विश्लेषण आ चिंतन।	• छात्र/छात्राकेँ गायन/वाचनक अवसर प्रदान। • सामाजिक वातावरणसँ पद्यक भावकेँ जोड़ि कऽ देखल। • कचहरी पाठक आधार पर प्रश्नक निर्माण। • कठिन शब्दक चयन आ शब्दकोषसँ ओकर अर्थक निवारण कयल जा सकैत अछि। • सत्य, धंधा, जन, उदर आदि शब्दक पर्यायवाची शब्दक चयन। • कठिन शब्दक चयन आ तकर वाक्यमे प्रयोग। • कवि चंदा झाक रचित 'मिथिला भाषा रामायण'क चर्चा। • न्यायालयक कार्यकलाप पर आपसी चर्चा आ	2 दिन

सीखबाक प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनोमे)
Learning Outcomes	Chapters	Learning Indicators	Suggestive process	Duration (in Days)
बनौलनि। • पर्यायवाची शब्दक चयन कयलनि। • कठिन शब्दकेँ वाक्यमे प्रयोग कयलनि। • कवि चंदा झाक कीर्ति 'मिथिला भाषा रामायण'क चर्चा कयलनि। • छात्र/छात्रा न्यायालयक कार्य पद्धति पर अपन–अपन विचार/प्रतिक्रिया व्यक्त कयलनि। • कचहरी कविताक भाव छात्र लिखलनि आ विश्लेषण कयलनि।		• न्यायालय संबंधी चर्चा आजुक परिदृश्यमे • न्यायालयक कार्य–पद्धति पर चिंतन आ मनन।	प्रतिक्रिया। • कविताक निहित भावकेँ छात्रसँ लिखबाउ।	
• छात्र/छात्रा पाठकेँ सस्वर वाचन कयलनि। • मिथिला–वर्णन शीर्षकमे संभावित प्रश्नक चयन कयलनि आ ओकर उत्तरक चर्चा कयलनि। • कठिन शब्दक चयन जेना– धवल, पर्णकुटी, ललित आदिक अर्थ शब्दकोषसँ चुनलनि। • 'मिथिला–वर्णन' शीर्षक पर आपसमे छात्र/छात्रा चर्चा कयलनि। • राम, जनक आदिक चरित्रक चर्चा कयलनि।	**6. मिथिला वर्णन कविता**	• हाव–भाव प्रदशित करैत कविताक वाचन, छात्र/छात्रा द्वारा। • कविताकेँ समझैत–बुझैत गायन। • पाठक आधारपर प्रश्नक चयन। • शीर्षक पर चर्चा। • पात्रक विशिष्टताक विश्लेषण/चिंतन। • कठिन शब्दक चयन आ शब्दकोषक प्रयोग।	• छात्र/छात्रा सभकेँ गायन/वाचनक पूर्ण अवसर। • पाठक सस्वर वाचन। • 'मिथिला वर्णन' संदर्भित प्रश्नक चयन करबाउ। • कठिन शब्दक चयन आ ओकर शब्दार्थकेँ शब्दकोशक सहायतासँ चयन कराओल जा सकैत अछि। • पाठमे वर्णित मिथिलाक विशिष्टताक वर्णन कयल जा सकैछ। • रामक चरित्र, जनकक विशेषताक चर्चा करबाउ।	4 दिन

सीखबाक प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनोमे)
Learning Outcomes	Chapters	Learning Indicators	Suggestive process	Duration (in Days)
• एहि पाठमे वर्णित नदीक नाम ताकि लिखलनि। • जनक विदेहक चरित्रक विशिष्टता पर चर्चा कयलनि। • मिथिलाक चौहद्दी वला पंक्ति ताकि याद कयलनि। • मिथिला, राम, जनक आदि स्थान/महापुरूषक चरित्र–चित्रण पर चर्चा कयलनि, ओकरा सामाजिक संदर्भसँ जोड़ि अपन–अपन प्रतिक्रिया व्यक्त कयलनि। • मान–अपमान समान थिक, एहिपर वृहत चर्चा आपसमे कयलनि। सभ गोटे अपन–अपन विशद विचार–विमर्श प्रस्तुत कयलनि।		• मिथिलाक वैशिष्ट्य पर आपसमे विचार–विमर्श आ अपन–अपन राय।	• पाठमे वर्णित नदीक नामक चर्चा ओ ओकर विशेषताक वर्णन कराओल जा सकैछ। • जनक विदेहक चर्चा कराउ। • मिथिलाक चौहद्दीक पंक्ति ताकि छात्रकँ स्मरण कराओल जा सकैत अछि। • आन कवि/लेखक द्वारा देल मिथिलाक चौहद्दीक संबंधमे चर्चा कराउ। • मिथिला, राम, जनक आदि महापुरूषक चरित्रक चित्रण, विश्लेषण आ ओकर सामाजिक संदर्भमे चिन्तन। • सुख–दुःख, मान–अपमान समान थिक, एहि पर चर्चा कराओल जा सकैत अछि।	
• गद्यक वाचन छात्र/छात्रा उच्चारणपूर्वक पाठन, समझि–बूझि कऽ करैत अछि। • महाराज लक्ष्मीश्वर सिंहक जीवनी पढ़ि कऽ अनेक सद्गुण पर विशद चर्चा कयलनि। • कठिन शब्द जेना– 'बाबा वाक्यं	**7.महाराज लक्ष्मीश्वर सिंह जीवनी**	• महान विभूतिक चर्चा। • मिथिलाक विद्वान आ हुनकामे व्याप्त कट्टरताक चर्चा आ विश्लेषण। • गद्यक वाचन छात्र/छात्रा उच्चारणपूर्वक पाठन।	• राजा राम मोहन रायक संबंधमे विशद चर्चा कराउ। • डॉ. गंगानाथ झा, विन्ध्यनाथ झाक व्यक्तित्वक महत्वक चर्चा कराउ। • 'कोर्ट ऑफ वार्ड्स'क महत्व बताउ। • धार्मिक कट्टरता पर विशेष चर्चा कराउ संगहि एकर हानिक विश्लेषण।	

सीखबाक प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनोमे)
Learning Outcomes	Chapters	Learning Indicators	Suggestive process	Duration (in Days)
प्रमाणम'केर अर्थ स्पष्ट कऽ बूझलनि। • पाठक अभ्यास आ ओकर प्रश्नक उत्तर कयलनि। • विभिन्न सूचीबद्ध मुहावराक वाक्यमे प्रयोग कयलनि। • अभ्यासमे देल गेल संधिक संधिविच्छेद कयलनि। • पाठमे वर्णित मुहावरा– दीपहि तर अन्हार, दूरक ढोल सोहाओन, बाड़ीक पटुआ तीत आदिक चयन कयलनि। • अंग्रेजी शिक्षाक प्रभाव आ ओकर विश्लेषण कयलनि। • मैथिलक कट्टरपन स्वभाव मिथिलाकेँ पाछू कयलक तकर विशद चिंतन आ विश्लेषण कयलनि। • राजाराम मोहन राय, स्वामी दयानंद सरस्वती आदि पर विशेष चर्चा कयलनि। • महाराज लक्ष्मीश्वर सिंहक गुणक विशेष चर्चा कयल गेल। • राजा राममोहन राय, स्वामिदयानंद, महाराज लक्ष्मीश्वर सिंहक आदिक व्यक्तित्वक विषयमे चर्चा कयलनि।		• समझि–बुझि कऽ पठन। • पाठक अभ्यास आ पूछल प्रश्नक उत्तर। • कठिन शब्दक चयन आ ओकर अर्थक चयन। • मुहावरा आ ओकर प्रयोग। • शीर्षकमे वर्णित चरित्रक अवलोकन। • विशेष विंदु पर अपन राय। • आधुनिक शिक्षाक प्रभावक चर्चा कराउ। • आधुनिक शिक्षाक विश्लेषण। • समाज सुधारकक चर्चा आ चिंतन। • महाराज लक्ष्मीश्वर सिंहक गुणक चर्चा। • मिथिलाक अनेक व्यक्तिक व्यक्तित्वक चर्चा।	• छात्र/छात्राकेँ वाचनक पूर्ण अवसर। • पाठक/छात्रकेँ उक्त जीवनीसँ अपनाकेँ जोड़ब सन प्रयास कयल जा सकैत अछि। • पाठक कठिन शब्दक चयन आ शब्दकोषसँ ओकर अर्थक अवलोकन कराओल जा सकैत अछि। • पाठक अभ्यास आ ओकर प्रश्नक उत्तर करबाओल जा सकैत अछि। • मुहावराकेँ सूचीबद्ध कयल जा सकैत अछि। जेना– नाक भौंह सिकोड़ब आदि ओकर प्रयोग कराउ। • संधि–विच्छेद शब्दकेँ चूनि ओकरा हल करबाओल जा सकैत अछि। जेना– ह्रासोन्मुख आदि। • अंग्रेजी शिक्षाक प्रभावक चर्चा कराउ। • सामाजिक परिवर्तन कयनिहार विद्वान वा समाज सुधारक सूची तैयार कराउ, जेना – राजा राममोहन राय, स्वामी दयानंद सरस्वती आदि। • महाराज लक्ष्मीश्वर सिंहक कोन गुण बेसी प्रशंसनीय ओ अनुकरणीय अछि, बताउ।	4 दिन

मैथिली

लेखन

नाम	विद्यालय / संस्थान का नाम
प्रो0 इन्द्रकान्त झा	भूतपूर्व प्राचार्य एवं विभागाध्यक्ष मैथिली विभाग, पटना विश्वविद्यालय, पटना
डॉ0 वीणाधर झा	सेवानिवृत्त व्याख्याता, मैथिली विभाग, पटना कॉलेजियट स्कूल, पटना

अकादमिक सहयोग–राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार के संकाय सदस्य

- डॉ0 किरण शरण, संयुक्त निदेशक (डायट)–सह–विभाग प्रभारी भाषा एवं सामाजिक विज्ञान विभाग
- डॉ0 रश्मि प्रभा, विभाग प्रभारी, विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग
- डॉ0 रीता राय, विभाग प्रभारी, अध्यापक शिक्षा विभाग
- डॉ0 वीर कुमारी कुजूर, विभाग प्रभारी, शिक्षण शास्त्र, पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं मूल्यांकन विभाग
- श्री राम विनय पासवान, विभाग प्रभारी, दूरस्थ शिक्षा विभाग
- डॉ0 स्नेहाशीष दास, विभाग प्रभारी, विद्यालयी शिक्षा विभाग
- डॉ0 राधे रमण प्रसाद, विभाग प्रभारी, शारीरिक, कला एवं क्राफ्ट विभाग
- डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद मंडल, विभाग प्रभारी, शोध, योजना एवं नीति विभाग
- श्री तेजनारायण प्रसाद, व्याख्याता, विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग
- डॉ0 अर्चना, प्रभारी, शिक्षा मनोविज्ञान विभाग
- श्रीमती विभा रानी, समन्वयक जनसंख्या शिक्षा कोषांग
- श्रीमती आभा रानी, सम्प्रति व्याख्याता, एस0 सी0 ई0 आर0 टी0., पटना